

शोध मंथन

हिन्दी जर्नल (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थ, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरुष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरुणपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादक:

केप्टन0 डॉ0 अन्जुला राजवंशी,
एसो0 प्रोफे0, आर0 जी0 पीजी कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति :

डॉ0 अर्पणा वत्स, असि0 प्रोफे0, इतिहास विभाग, आर0 जी0 पीजी कॉलिज, मेरठ

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 सुशीला शक्तावत, एसो0 प्रोफे0, इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रोफे0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रोफे0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 गौरी मानिक मानसा, असि0 प्रोफे0, वी0 एस0 क0 विश्वविद्यालय, बालारी

डॉ0 साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

Managing Editor : Mithal K.

- शोध मंथन त्रै-मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई-मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by Mithal K., Journal Anu Books, Meerut
Printed by D.K. Fine Art Printers Pvt. Ltd., New Delhi

Subscription

India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Foreign	\$60.00	\$ 250.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X

Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)

शोध मंथन
हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. 8 No. 3 Part 2

Sept. 2017

UGC Approved List No. 40908

अनुक्रमणिका

19.	लोकतांत्रिक मूल्य और महात्मा गाँधी डॉ० नीलिमा सिंह	140
20.	डॉ० सन्हैयालाल ओझा के उपन्यासों का मूल्यपरक चिन्तन डॉ० मीरा अग्रवाल	146
21.	कार्यरत महिलाओं के पारिवारिक समायोजना का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन रेनू पवार	150
22.	भारत-चीन सम्बन्ध : डोकलाम विवाद के सन्दर्भ में डॉ० नीलिमा सिंह	157
23.	प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित पारिवारिक विघटन की समस्या डा० विश्वम्भर पाण्डेय	164
24.	गांधीजी का शिक्षा-दर्शन डा० अशोक त्रिपाठी	170
25.	अनुसूचित जनजाति जौनसारी बावर (एक स्तरीकृत समाजशास्त्रीय अध्ययन) डॉ० गौतम बनर्जी	180
26.	बाल अपराध डॉ० विनीता गुप्ता	186
27.	शब्दों का विकास एवं ध्वनि डा० निकेता	193

28.	भारतीय संविधान एवं धर्म की स्थिति डॉ० अनुराधा सिंह	199
29.	राजपूत कालीन संगीत डा० अनीता कश्यप	204
30.	भारत में बाल श्रम — एक अवलोकन डॉ० मनीष कुमार गुप्ता	206
31.	नए भारत के निर्माण में कौशल विकास: आवश्यकता, चुनौतियाँ एवं प्रयास डॉ० सपना जैन	213
32.	संजीव के उपन्यासों में आदिवासी समाज डॉ० रामयज्ञ मौर्य, दीपक तिवारी	222
33.	प्रेमचंद के उपन्यासों में वस्त्रगत साम्प्रदायिक समस्याएँ : एक अवलोकन डा० विश्वम्भर पाण्डेय	229
34.	उपनिषद : भारतीय ज्ञानपरंपरा के संवाहक डा० अशोक त्रिपाठी	235
35.	संगीत और धर्म अंतः का सम्बन्ध डॉ० संगीता गौरंग	242
36.	धर्मवीर भारती के गद्य साहित्य में सामाजिक संस्थाएं व भाषा प्रयोग डा० पूनम	246
37.	गुजरात के अभिलेख डॉ० रीना	252
38.	कला का स्वरूप एवं तत्त्व सिद्धांत डॉ० संगीता गौरंग	258